भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2680 का उत्तर

आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों के लिए किफायती यात्रा विकल्प

2680. सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार स्लीपर कोचों की संख्या में कमी तथा एसी कोचों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों के लिए किफायती यात्रा विकल्प सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय कर रही है;

(ख) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन यात्रियों को किफायती यात्रा सुविधा प्रदान करने के लिए कौन से विशिष्ट कदम उठाए जा रहे हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) वर्ष 2020 और 2024 के लिए सोलापुर से गुजरने वाली रेलगाड़ियों में स्लीपर और एसी कोंचों की संख्या के संदर्भ में विशिष्ट आंकड़े क्या हैं तथा क्या एसी कोचों की संख्या में कोई बदलाव किया गया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल यात्रियों के विभिन्न वर्गों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए विभिन्न संरचनाओं के साथ नियमित समय-सारणी वाली विभिन्न प्रकार की उपनगरीय, छोटी दूरी की यात्री रेलगाड़ियां, लंबी दूरी/मेल/एक्सप्रेस/सुपरफास्ट रेलगाड़ियां जैसी रेलगाड़ियां चलाती हैं और किराया रेल सेवाओं के वर्गीकरण के अनुसार वसूला जाता है।

प्रचलित नीति के अनुसार मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में 22 सवारी डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) साधारण श्रेणी और शयनयान श्रेणी के गैर-वातानुकूलित डिब्बे और 08 (आठ) वातानुकूलित डिब्बे लगाए जाते हैं,जिससे सामान्य और गैर-वातानुकूलित स्लीपर सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध हो सके।

अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की क्षमता में वृद्धि करने की दृष्टि से चालू वित्त वर्ष के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में साधारण श्रेणी के 600 से अधिक सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। हैं। वर्तमान में गाड़ी सेवाओं के चालन के लिए व्यवहार में लाए जा रहे कुल डिब्बों की संख्या में कुल दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित और एक-तिहाई वातानुकूलित प्रकार के हैं।

इसके अलावा भारतीय रेल में अमृत भारत सेवाओं की शुरूआत की गई है, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित हैं और झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग विंडो, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बोतल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस हैं। इन सेवाओं में जो पूर्णतः गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं, में वर्तमान में यात्रियों को उच्च सुविधा प्रदान करने वाले 12 शयनयान सवारी डिब्बे और 08 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं।

बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है। इसके अलावा, शोलापुर सहित किसी भी स्टेशन से गुजरने वाले सवारी डिब्बों की संख्या के विशिष्ट आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

*****